

SOURCE:-<https://bhajansimran.com/om-jai-jagdish-hare-aarti/>

ॐ जय जगदीश हरे,
स्वामी जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट,
दास जनों के संकट,
क्षण में दूर करे ॥
॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

जो ध्यावे फल पावे,
दुःख बिनसे मन का,
स्वामी दुःख बिनसे मन का ।
सुख सम्पति घर आवे,
सुख सम्पति घर आवे,
कष्ट मिटे तन का ॥
॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

मात पिता तुम मेरे,
शरण गहूं किसकी,
स्वामी शरण गहूं मैं किसकी ।
तुम बिन और न दूजा,
तुम बिन और न दूजा,
आस करूं मैं जिसकी ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

तुम पूरण परमात्मा,
तुम अन्तर्यामी,
स्वामी तुम अन्तर्यामी ।
पारब्रह्म परमेश्वर,
पारब्रह्म परमेश्वर,
तुम सब के स्वामी ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

तुम करुणा के सागर,
तुम पालनकर्ता,
स्वामी तुम पालनकर्ता ।
मैं मूरख फलकामी,
मैं सेवक तुम स्वामी,
कृपा करो भर्ता ॥
॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

तुम हो एक अगोचर,
सबके प्राणपति,
स्वामी सबके प्राणपति ।
किस विधि मिलूं दयामय,
किस विधि मिलूं दयामय,
तुमको मैं कुमति ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

दीन-बन्धु दुःख-हर्ता,
ठाकुर तुम मेरे,
स्वामी रक्षक तुम मेरे ।
अपने हाथ उठाओ,
अपने शरण लगाओ,
द्वार पड़ा तेरे ॥

॥ ॐ जय जगदीश हरे.. ॥

विषय-विकार मिटाओ,
पाप हरो देवा,
स्वामी पाप(कष्ट) हरो देवा ।
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ,
श्रद्धा भक्ति बढ़ाओ,
सन्तन की सेवा ॥

ॐ जय जगदीश हरे,
स्वामी जय जगदीश हरे ।
भक्त जनों के संकट,
दास जनों के संकट,
क्षण में दूर करे ॥

Om Jai Jagdish Hare Aarti lyrics

Om Jaye Jagdish Hare, Swami Jaye Jagdish Hare ॥

Bhagt Jano Ke Sankat, Khshan Mein Door Kare ॥

Jo Dhaywe Phal Pave, Dukh Vinse Man Ka ॥

Sukh Sampati Ghar Aave, Kasht Mite Tan Ka ॥

Maat-Pita Tum Mere, Sharan Gahun Kiskee ॥

Tum Bin Aur Na Duja, Aas Karun Jiskee ॥

Tum Puran Parmatma, Tum Antaryami ॥

Par-Brahm Parmeshwar, Tum Sabke Swami ॥

Tum Karuna Ke Saagar, Tum Palankarta ॥

Main Moorakh Khal Kami, Mein Sewak Tum Swami,

Kripa Karo Bharta ...

Tum Ho Ek Agochar, Sabke Pran Pati ॥

Kis Vidhi Milun Dayamay, Tumko Main Kumti ॥

Deenbandhu Dukh Harta, Thakur Tum Mere, Swami Rakshak Tum Mere ॥

Apne Hath Uthaa, Apni Sharan Lagao,

Dwar Para Tere ...

Vishay Vikaar Mitaa, Paap Haro Deva ॥

Shradha Bhakti Badhaao, Santan Ki Sewa ॥

Om Jaye Jagdish Hare, Swami Jaye Jagdish Hare ॥

Bhagt Jano Ke Sankat, Khshan Mein Door Kare ॥